जनसेवा के गुरु श्री गोरक्षनाथ रक्त कोष के 17 वर्ष पूर्ण, वर्ष 2005 में हुई थी स्थापना

- NACO से मिल चुका है आदर्श, उत्तम व मॉडल ब्लड बैंक का दर्जा

- उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल, बिहार सहित पड़ोसी देश नेपाल तक है संस्था की सेवाएं

- सभी मानकों को पूरा करते हुए आज ब्लड बैंक हो गया है हाईटेक

गोरखपुर, 17 जुलाई, 2022। महायोगी गुरु गोरखनाथ की पावन भूमि, जनपद गोरखपुर में स्थापित गुरु श्री गोरक्षनाथ रक्त कोष ने जनसेवा के 17 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। आज जब पीछे मुड़कर देखते हैं तो इन 17 वर्षों के काल में ब्लड बैंक ने अगणित मानक स्थापित करते हुए जन-जन में अपनी विश्वसनीयता स्थापित किया है। आज बैंक उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल, बिहार सहित पड़ोसी देश नेपाल तक रक्त प्रदान कर रहा है। ये बातें रविवार को ब्लड बैंक के प्रभारी एवं उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अवधेश अग्रवाल ने कहीं।

श्री गोरक्षनाथ रक्त कोष प्रदेश के सर्वोत्तम ब्लड बैंकों में से एक

उन्होंने बताया कि श्री गोरक्षनाथ रक्त कोष, पूर्वांचल का पहला कॉम्पोनेन्ट ब्लड बैंक है और प्रदेश के तीन सर्वोत्तम ब्लड बैंकों में से एक है। यहां स्वैच्छिक रक्तदाताओं द्वारा किए गए रक्तदान से एकत्र हुए रक्त रोगियों को उपलब्ध कराए जाते हैं। उन्होंने कहा कि रक्तदान के क्षेत्र में ब्लड बैंक के कार्यों को देखते हुए विनियामक संस्था NACO से आदर्श, उत्तम व मॉडल ब्लड बैंक का दर्जा भी मिला है।

उन्होंने कहा कि ब्लड बैंक को विकास के मार्ग पर आगे बढ़ाने में ब्लड बैंक संरक्षक एवं गोरक्षपीठाधीश्वर व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय श्री योगी आदित्यनाथ जी का मार्गदर्शन की अहम भूमिका रही। उन्होंने कहा कि गुरु गोरखनाथ चिकित्सालय के निदेशक, मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई तथा अपर निदेशक डॉ. कामेश्वर सिंह के निर्देशन में ब्लड बैंक नित नई ऊंचाइयों को स्पर्श कर रहा है।

नित नई सुविधाओं से सुसज्जित हुआ ब्लड बैंक

श्री अग्रवाल ने बताया कि वर्ष 2005 में जब इस ब्लड बैंक की स्थापना हुई, तब केवल होल ब्लड का ही कार्य होता था। 2007 में कॉम्पोनेन्ट का लाइसेंस प्राप्त हुआ। इसी वर्ष यहां रक्त जनित रोगों के जांच हेतु पूर्ण रूप से स्वचालित उपकरण की स्थापना की गई। उन्होंने कहा कि आज ब्लड बैंक पूरे प्रदेश में श्रेष्ठ मानक स्थापित कर चुका है। वहीं, रक्ताधान शिक्षा के क्षेत्र में भी ब्लड बैंक अग्रणी भूमिका का निर्वहन कर रहा है।

308 रक्तदान शिविरों का हुआ आयोजन

बैंक प्रभारी ने बताया कि स्थापना काल से ही रक्तादान के प्रति जनजागरूकता हेतु समय-समय पर गोष्ठियों का आयोजन किया जाता है। वहीं, रक्त शिविर नियमित आयोजित होते हैं। उन्होंने बताया कि ब्लड बैंक के तत्वावधान में वर्ष 2005 से अब तक आयोजित कुल 308 रक्तदान शिविरों के माध्यम से कुल 2,80,200 रक्तदाता जोड़े गए हैं। उन्होंने बताया कि संस्था के माध्यम से जरूरतमंदों को कुल 3,90,550 यूनिट रक्त और 1,10,510 प्लेटलेट्स की आपूर्ति हुई है।

रक्तदान से नहीं होती हानि, घातक बीमारियों से करेगा बचाव

उप मुख्य चिकित्साधिकारी ने कहा कि प्रदेश सहित पूरे देश में रक्त की बहुत कमी है। इस कमी को पूर्ण करने में गुरु श्री गोरक्षनाथ रक्त कोष निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने आम जनमानस से अपील की है कि रक्तदान अवश्य करें। उन्होंने कहा कि रक्तदान से कोई हानि नहीं होती है। इससे रक्तदाता को लाभ ही होता है। इससे रक्तचाप, मोटापा, हृदयघात, कैंसर आदि घातक बीमारियों से बचाव होता है।

उल्लेखनीय है कि शिव अवतारी गुरु श्री गोरक्षनाथ भगवान मंदिर के प्रांगण में इस ब्लड बैंक की स्थापना 16 जुलाई, 2005 को तत्कालीन माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ सी.पी. ठाकुर के कर-कमलों से हुई थी।